रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महाबीर प्रसाद):

(क) जी हां।

(ख) गाड़ी-वार लाभप्रदता निर्धारित नहीं की जाती है। तथापि, वर्ष 1986-87 के दौरान अलाभप्रद शाखा लाइनों से हुई हानि 81,34.92 लाख रुपये थी।

(ग) और (घ) अलाभप्रद शाखा लाइनों की आमदनी बढ़ाने तथा कार्य संचालन व्यय यथासभव कम करने के लिए समय-समय पर निम्नलिखित उपाय किये गये हैं:—

(i) कम लोकप्रिय गाड़ियों को चलाना बन्द करना।

(ii) अलाभप्रद स्टेशनों / हाल्टों को बन्द करना या उन्हें ठेकेदार द्वारा परिचालित हाल्टों में बदलना।

(iii) यात्री और माल गाड़ियों का मिश्रित गाड़ियों में बदलाव।

(iv) केवल एक इंजन प्रणाली लागू करना।

(v) कर्मचारी खर्च में किफायत।

(vi) खंड पर बिना टिकट यात्रा की रोकथाम।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

दिल्ली परिवहन निगम के अन्तर्गत सरकारी बसें

1545. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दिल्ली परिवहन निगम के अन्तर्गत चलने वाली सरकारी बसों की संख्या में कमी आयी है;

(ख) यदि हां, तो अप्रैल, 1988 में प्रतिदिन दिल्ली परिवहन निगम की कितनी बसें सड़कों पर चलती थी और जनवरी, 1989 में उनकी संख्या कितनी थी, और

(ग) इन बसों की संख्या में कमी आने के क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) से (ग) दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े में अप्रैल, 1988 में 4348 बसों के मुकाबले जनवरी, 1989 में 4249 बसें थी किन्तु बेड़े के बेहतर उपयोग के कारण जनवरी, 1989 में प्रतिदिन 3793 बसे सड़कों पर निकाली गई जबकि अप्रैल, 1988 मे 3619 निकाली गई थी। बेड़े की संख्या में मामूली कमी का कारण पुरानी 498 बसों की छंटनी और अब तक सिर्फ 394 बसें शामिल करना है। जिन 423 नई बसों के आर्डर दिए गए हैं, वे शीघ्र ही बेड़े में शामिल हो जाएंगी जिसके फलस्वरुप बेड़े की क्षमता में निवल वृद्धि होगी।

मध्य प्रदेश में कार्यात्मक साक्षरता

1546. **श्री अजीत जोगी: क्या मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अंतर्गत वर्ष 1990 तक निरक्षर व्यक्तियों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो अब तक कितने व्यक्तियों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान की गई है; और

(ग) मध्य प्रदेश के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था और वहां अब तक की उपलब्धि क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही): (क) से (ग) अद्यतन सूचना राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों से प्राप्त की जा रही है। उपलब्धि के संबंध मे अद्यतन सूचना अभी मध्य प्रदेश सरकार से प्राप्त की जानी है।

पुरातत्वीय महत्व के स्थलों के संबंध में सर्वेक्षण

1547. **श्री अजीत जोगी:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री 9 मार्च, 1988 को राज्य सभा मे

अतारांकित प्रश्न 1552 के दिये गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नर्मदा सागर और सरदार सरोवर परियोजना के डूब क्षेत्र में आने वाले मंदिरों, मूर्तियों और पुरातत्वीय महत्व के प्राचीन भवनों के सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस सर्वेक्षण से प्राप्त अंतिम परिणामों के अनुसार इस क्षेत्र की पुरातत्वीय महत्व की अद्धितीय सम्पदाओं के नाम क्या-क्या हैं और सरकार द्वारा उनके संरक्षण के लिये क्या प्रबन्ध किये जा रहे है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों मे राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

माध्यमिक विद्यालय शिक्षा के व्यावसायीकरण के संबंध में योजना

1548. **श्री अजीत जोगी:**
कुमारी सुशीला तिरिया:

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या शिक्षा के व्यावसायीकरण के संबंध में गठित कुंवदयी आयोग की सिफारिशों के अनुसार, माध्यमिक विद्यालय शिक्षा की व्यावसायीकरण संबंधी योजना को अंतिम रूप दे दिया गया है, यदि हां, तो क्या इस योजना को क्रियान्वयन हेतु राज्य सरकारों को भेज दिया गया है; और

(ख) इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों मे राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही): (क) और (ख) जी, हा। योजना राज्यों को फरवरी 1988 में परिचालित की गयी थी। 1929 स्कूलों में 5823 व्यावसायिक पाठयक्रमों को आरम्भ करने के प्रस्ताव अनुमोदित किये गये है और योजना को कार्यान्वित करने के लिए 22 राज्यों / संघ शासित प्रदेशों को अब तक 59.09 करोड़ रुपये की राशि की केन्द्रीय सहायता मंजूर की गयी है।

Charges against the Principals of Kendriya Vidyalayas, Sarni and Chanda

1549. SHRI ASHOK NATH VERMA:
SHRI ANAND PRAKASH GAUTAM:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that charges of administrative, financial and behavioural malpractices have been levelled against the Principals of Kendriya Vidyalayas of Sarni and Chanda;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether the same have been investigated; and

(d) if so, what action has been taken against them?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) and (b) Complaints against the Principal, Kendriya Vidyalaya of Chanda have been received alleging irregularities in admission and financial matter. Complaints have also been received against the Principal, Kendriya Vidyalaya, Sarni alleging mal-administration.

(c) and (d) The Assistant Commissioner, Kendriya Vidyalaya Sangathan, Bhopal has been asked to look into these allegations. Further course of action will be decided on receipt of the report of the Assistant Commissioner